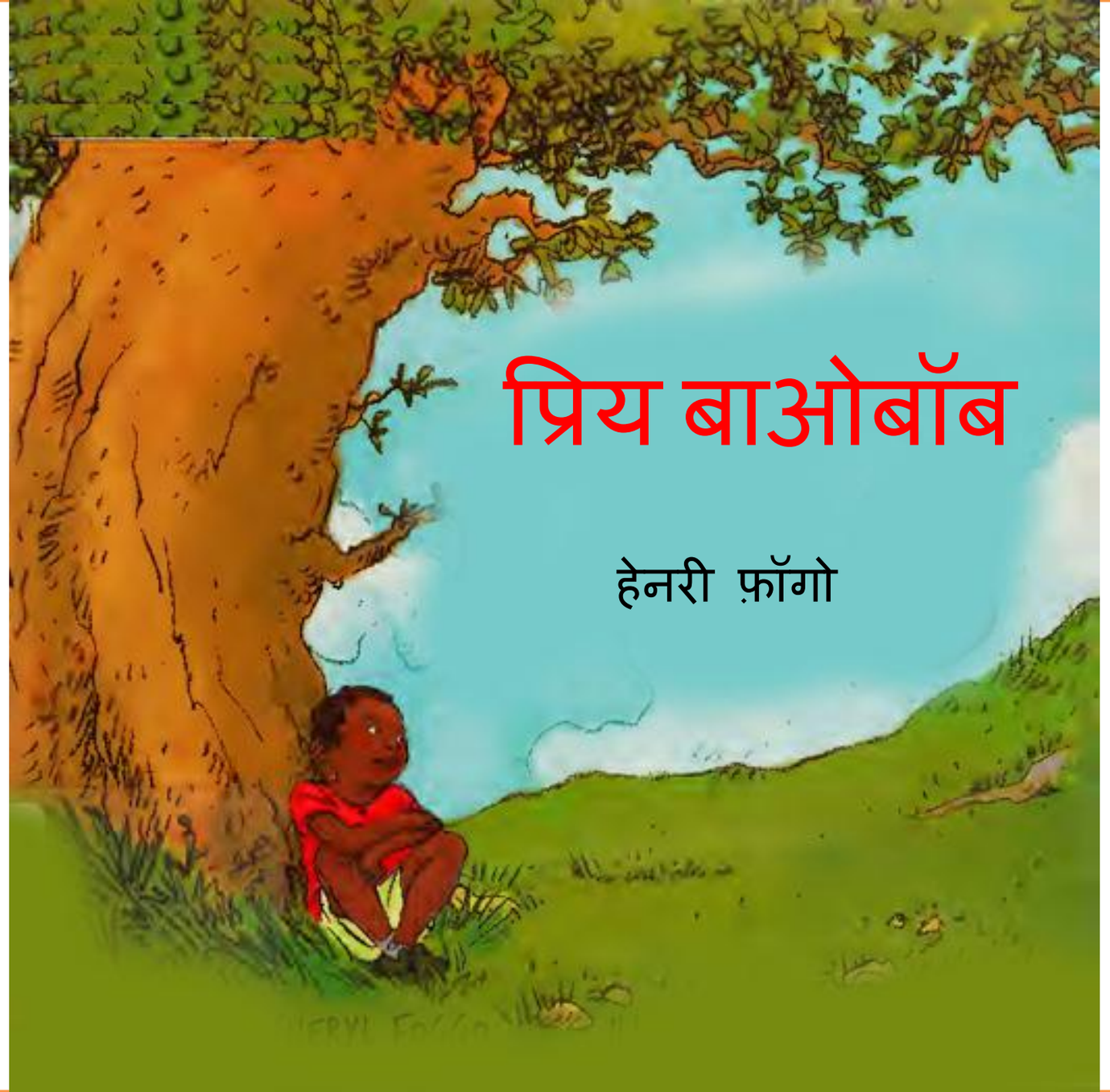
प्रिय बाओबॉब
हेनरी फ़ॉगो

हेलो वृक्ष, तुम्हारी आयु उतनी जितनी मेरी

अफ्रीका में स्थित अपने गाँव से दूर, माइको अपने चाचा और चाची के साथ रह रहा है. जब कभी भी वह अपने घर के विषय में सोचता है तो वह उस विशाल बेओबॉब पेड़ के बारे में सोचने लगता है जो उसके गाँव के बीच में लगा हुआ है. उसके नए घर में लगे फ़र के पैड़ से उसका बहुत लगाव है, और जब उसे पता चलता है कि पेड़ की आयु उतनी ही है जितनी उसकी है वह पेड़ को और भी चाहने लगता है..

उसके प्रिय बेओबॉब की भांति यह पेड़ भी उससे बातें करता है और अपने सारे रहस्य उससे से साँझा करता है. लेकिन जब उसे ज्ञात होता है कि नन्हे फ़र को काटने की बात चल रही है तो वह उसे बचाने का प्रयास करता है. क्या अपने प्रयास में वह सफल हो पायेगा?

कम ऊँचाई की उठती-गिरती पहाड़ियों से घिरे हुए एक नगर के एक चौड़े रास्ते पर स्थित एक घर में एक नन्हा फ़र का पेड़ लगा था.

उस घर में रहने वाला लड़का अकसर पेड़ के निकट, पत्थर की सीढ़ियों पर बैठ कर, पेड़ की आवाज़ सुना करता था. उसे लगता कि पेड़ उसका नाम गुनगुनाता था.

“मा..इ...को.’

अफ्रीका के जिस गाँव में माइको का जन्म हुआ था वहाँ स्थित विशाल बेओबॉब पेड़ की कमी उसे खलती थी. उस पेड़ की छाया में, अन्य बच्चों के साथ बैठकर, वह काजू खाया करता था. गाँव के उन बच्चों ने कभी उसके सीधे खड़े कानों की ओर ध्यान न दिया था.

लेकिन माइको अब उन विशाल बेओबॉब पेड़ों के बीच नहीं रहता था.

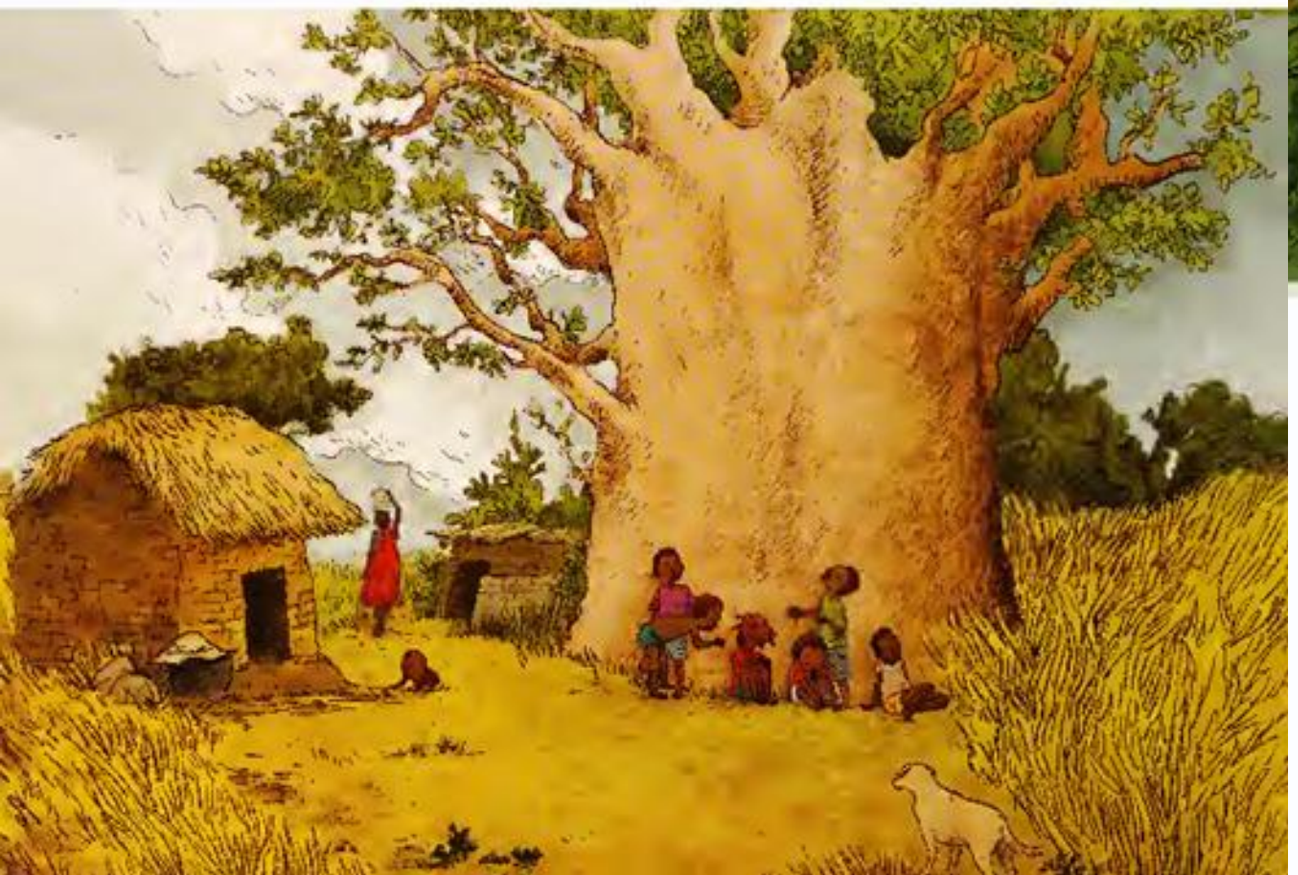

अब वह लाल ईंटो से बने एक घर में अपने चाचा पीटर और चाची अजिया के साथ रहता था. कभी-कभी पीटर चाचा और माइको ऊंचे देवदार के पेड़ों के जंगल में सैर करने जाया करते थे. अपने सिर को पीछे मोड़ कर माइको उन पेड़ों की चोटियों को देखने की कोशिश करता था लेकिन वह देख न पाता था.

“चाचा,” वह पूछता, “यह पेड़ कितने पुराने हैं?”

“ओह, कोई चार सौ साल,” पीटर चाचा उत्तर देते. और फिर, जैसे कि उन्हें आभास था कि माइको क्या सोच रहा था, वह मुस्कराते और कहते, “लेकिन तुम्हारे प्रिय बेओबॉब जितने पुराने नहीं हैं.”

माइको का प्रिय माइको 2000 सालों से भी अधिक पुराना था. “जब यह विशाल बेओबॉब एक नन्हा पौधा था तब वो ऊँचा पहाड़ एक कंकड़ जितना छोटा था,” माँ उसे कहा करती थी.

एक सुबह जब माइको नन्हे पेड़ के पास बैठा था, पीटर चाचा भी उसके साथ पत्थर की सीढ़ियों पर बैठ गये.

“चाचा,” माइको ने पूछा , “इस पेड़ की आयु कितनी है?”

“ओह, कोई सात वर्ष,” उन्होंने कहा और फिर थोड़ी देर बाद बोले, “एक पेड़ के लिए यह कितनी अनोखी जगह है.” उन्होंने माइको की ठोड़ी को छुआ और घर के अंदर चले गये.

उस दिन के बाद घर से बाहर जाते और भीतर आते समय माइको पेड़ से कहता, “हेलो पेड़, तुम्हारी आयु उतनी ही है जितनी मेरी.” कभी-कभी वह पेड़ के निकट सीढ़ियों पर बैठ जाता और पेड़ से अपने वह रहस्य सांझा करता जो वह किसी को न बताता था. वह अपने गाँव और वहां लगे विशाल बेओबॉब पेड़ों की बात करता. अपने माता-पिता के निधन के बाद जिस स्कूल में वह पढ़ने गया था वहाँ के मित्रों के बारे में बताता. उसने पेड़ को बताया की जब वायुयान में बैठ कर वह सागर पर यहाँ आया था तब वह कितना अकेला महसूस कर रहा था. उसने बताया कि आरम्भ में इस लाल रंग की ईंटो वाले घर में सोना उसे कितना अजीब लगता था.

“लेकिन अब,” वह बोला, “उस बेओबॉब के पेड़ को देखते-देखते मुझे नींद आ जाती है जिस का चित्र मैंने और अजिया चाची ने बेडरूम की दीवार पर बनाया है.”

माइको ने पेड़ को अपने नये स्कूल और उस लड़के लियोनार्ड के विषय में बताया जो उसके कानों पर हँसा करता था.

कम ऊँचाई की उठती-गिरती पहाड़ियों से घिरे हुए नगर में जैसे समय बीतने लगा, माइको ने फ़र के पेड़ के गीत से बहुत कुछ जाना. उसने जाना की किस तरह पेड़ की जड़ें धरती के भीतर छिपे पानी को अपने अंदर खींच लेती थीं. सूर्य के ताप को वह किस प्रकार सोख लेता था और जो नन्हे पक्षी उसकी शाखाओं में घर बनाते थे उनके मधुर गीतों को कैसे आनंद से सुनता था. उसने जाना कि किस प्रकार पेड़ के फल से निकल नन्हा बीज उड़ता हुआ कहीं दूर एक मेलबॉक्स के नीचे धरती में अंकुरित हो सकता था. और उसने जाना कि उसकी कान बहुत अच्छे थे क्योंकि सिर्फ वह ही नन्हे पेड़ को गाते हुए सुन पाता था.

एक दिन माइको ने पीटर चाचा और अजिया चाची को बगीचे में बातें करते सुना.

“कुछ तो करना होगा.”

“यह नींव में दरार बना सकता है.”

और फिर, “पेड़ के लिए यह कितनी अनोखी जगह है.”

उसे लगा की वायु विलाप कर रही थी. उस नन्हे पेड़ के लिए माइको दुःखी हुआ क्योंकि वह गलत जगह में लग गया था.

“अजिया चाची,” उस रात कहानी सुनने के बाद उसने पूछा, “नींव क्या होती है?”

“हड्डियाँ. जिस प्रकार हमारी हड्डियाँ हमारे शरीर को आकार देकर सीधा रखती हैं उसी प्रकार नींव घर को सीधा खड़ा रखती है.”

चाची ने कमरे में नाईटलाइट चला दी और चुपचाप बाहर चली गईं. धुँधले प्रकाश में माइको दीवार पर बने बेओबॉब के चित्र को देखता रहा.

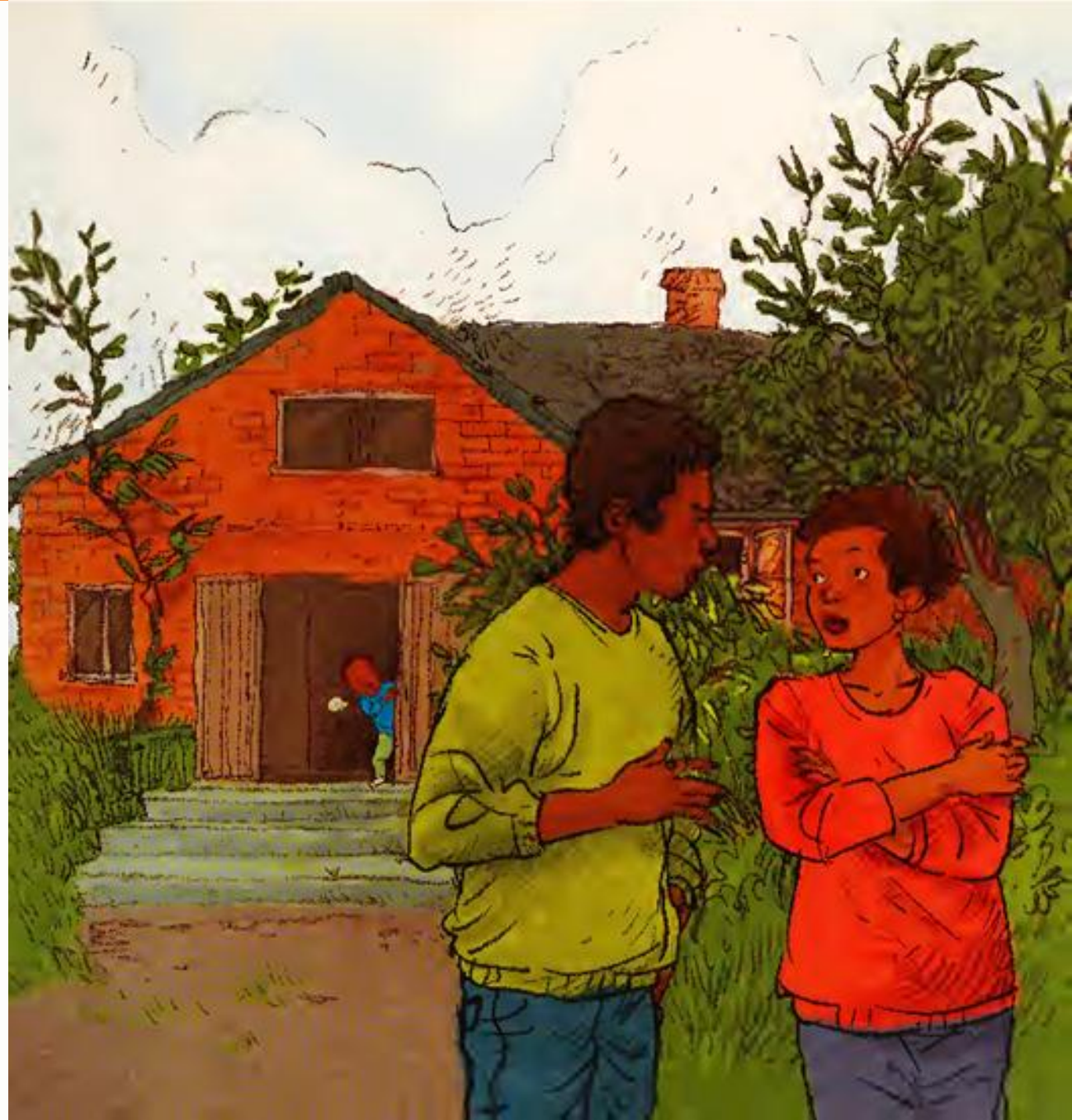

हर दिन माइको जब स्कूल से लौटता तो नन्हे पेड़ को मेलबॉक्स के नीचे अपनी जगह पर देख कर प्रसन्न होता.

फिर दिन छोटे होने लगे और दूसरे पेड़ों के पत्ते झर कर नीचे नन्हे फ़र की टहनियों पर इकट्ठे होने लगे.

हेलोवीन के उत्सव पर अजिया चाची ने माइको के सहपाठी ली को उनके घर आने का निमन्त्रण दिया. ली एक जादूगर बना. माइको बेओबॉब का पेड़ बना. इसके लिए उन्होंने एक डिब्बे, नलिकाओं और हरे कागज़ का उपयोग किया. ली ने उसे “ट्रिक या ट्रीट” बोलना सिखाया.

उन्होंने रास्ते पर लियोनार्ड को जाते देखा. उसने माइको के कानों की ओर इशारा किया और जोर से हंसने लगा. माइको ने कहा, “काश लियोनार्ड मेरे कानों का मज़ाक न उड़ाता.” लेकिन तभी माइको को ध्यान आया कि उसके कान तो बहुत अच्छे थे क्योंकि वह नन्हे फ़र के पेड़ को गाते हुए सुन सकता था.

एक दिन जब पेड़ों के अंतिम बचे हुए सूखे, भूरे पत्ते उसके पाँव तले चरमरा रहे थे, माइको ने स्कूल से लौटते समय पत्थर की सीढ़ियों पर एक कुल्हाड़ी और एक आरी देखी. उसने उन दोनों को शेड के पीछे एक अँधेरी जगह में छिपा दिया. फिर वह पेड़ के निकट बैठ गया. “मैं चाहता हूँ कि तुम खूब ऊँचे हो जाओ, इतने ऊँचे कि सागर पार लगे मेरे विशाल बेओबॉब को देख पाओ और उसे मेरी ओर से हेलो कहो.”

फ़र का पेड़ कांप गया.

“प्लीज, अपनी जड़ें इन हड्डियों से दूर ले जाओ,” माइको ने कहा.

उस रात, भोजन करते समय, अजिया चाची पीटर चाचा पर गुस्सा हो रही थी कि उन्होंने पेड़ काटने के औज़ार बाहर रख दिए थे “ताकि कोई भी उन्हें चुरा ले”. यद्यपि अनुमति लेकर माइको अपने बेडरूम में सोने चला गया था परन्तु उसे नींद न आ रही थी.

जैसे-जैसे दिन बीते और ठंड बढ़ने लगी ऐसा प्रतीत हुआ की अजिया चाची और पीटर चाचा कुल्हाड़ी और आरी के खोने की बात भूल गये थे.

स्कूल में मिसेज़ क्रॉफ्ट ने बच्चों को उन चीजों के विषय में गीत सिखाये जिन्हें माइको जानता न था, जैसे की स्केट्स, बर्फ और स्लेज की घंटियों के बारे में. संगीत कक्ष में वह, लियोनार्ड से बहुत दूर, ली के निकट बैठा.

दिसम्बर के एक दिन जब वह स्कूल से घर लौट रहा था एक ठंडा, सफ़ेद मोती माइको की एक पलक पर आ गिरा. उसने पलक झपकी. कई नर्म, सफ़ेद मोती चारों ओर गिर रहे थे. जब उसने उन्हें छूने का प्रयास किया तो वह लुप्त हो गये. वह घर की ओर दौड़ पड़ा. लेकिन तभी उसने, नई कुल्हाड़ी पकड़े, चाचा पीटर और अजिया चाची को पत्थर की सीढ़ियों के पास खड़े देखा.

उन्होंने मुस्कराते हुए हाथ हिला कर उसका अभिवादन किया और अजिया चाची ने कहा, “यह नन्हा फ़र का पेड़ हमारा क्रिसमस ट्री होगा!”

माइको भाग गया. वह चौड़े रास्ते पर दौड़ता गया. वह पहाड़ी से नीचे चला गया. जंगल के पार वह अगली पहाड़ी पर दौड़ता हुआ चढ़ गया. उसके कान ठंडे हो गये थे पर उसने इस बात को कोई परवाह न की. उसे अपने कानों से घृणा थी, उसे बर्फ से और अपने कमरे की दीवारों से और स्लेज की घंटियों के बारे में गीतों से घृणा थी.

वह हांफ रहा था. वो सोच रहा था कि महासागर के पार दौड़ कर जाने में और अफ्रीका में स्थित अपने घर जाने में उसे कितना समय लग जाएगा, उस गाँव में जहां कोई भी उसके सीधे खड़े कानों पर हँसता न था और जहाँ उसका विशाल बेओबॉब सुरक्षित अपनी जगह पर खड़ा था.

यद्यपि माइको छोटा था परन्तु वह बहुत कुछ जानता था. वह जानता था कि पेड़ वह नहीं कर सकता था जो उसने पेड़ से करने को कहा था. वह जानता था कि कुल्हाड़ी और आरी को छिपा देना गलत था. वह जानता था कि नन्हा होना और किसी गलत जगह में रहने का दर्द क्या था.

शीघ्र ही पीटर चाचा ने उसे ढूँढ़ लिया. वह एक साथ वापस चल दिए. बर्फ पर उनके क़दमों की आवाज़ दब रही थी. कुछ समय बाद पीटर चाचा ने कहा, “तुम ने मुझे क्यों नहीं बताया कि तुम उस पेड़ को लेकर क्या महसूस करते हो?”

माइको कोई उत्तर न दे पाया.

पीटर चाचा उसके मन की बात को समझ रहे थे. उन्होंने कहा, “अगर तुम अपने को पराया समझते हो तो यह बहुत ही गंभीर बात है.” उन्होंने माइको की आँखों में देखा और कहा, “सब ठीक हो जाएगा.” वह चलते रहे.

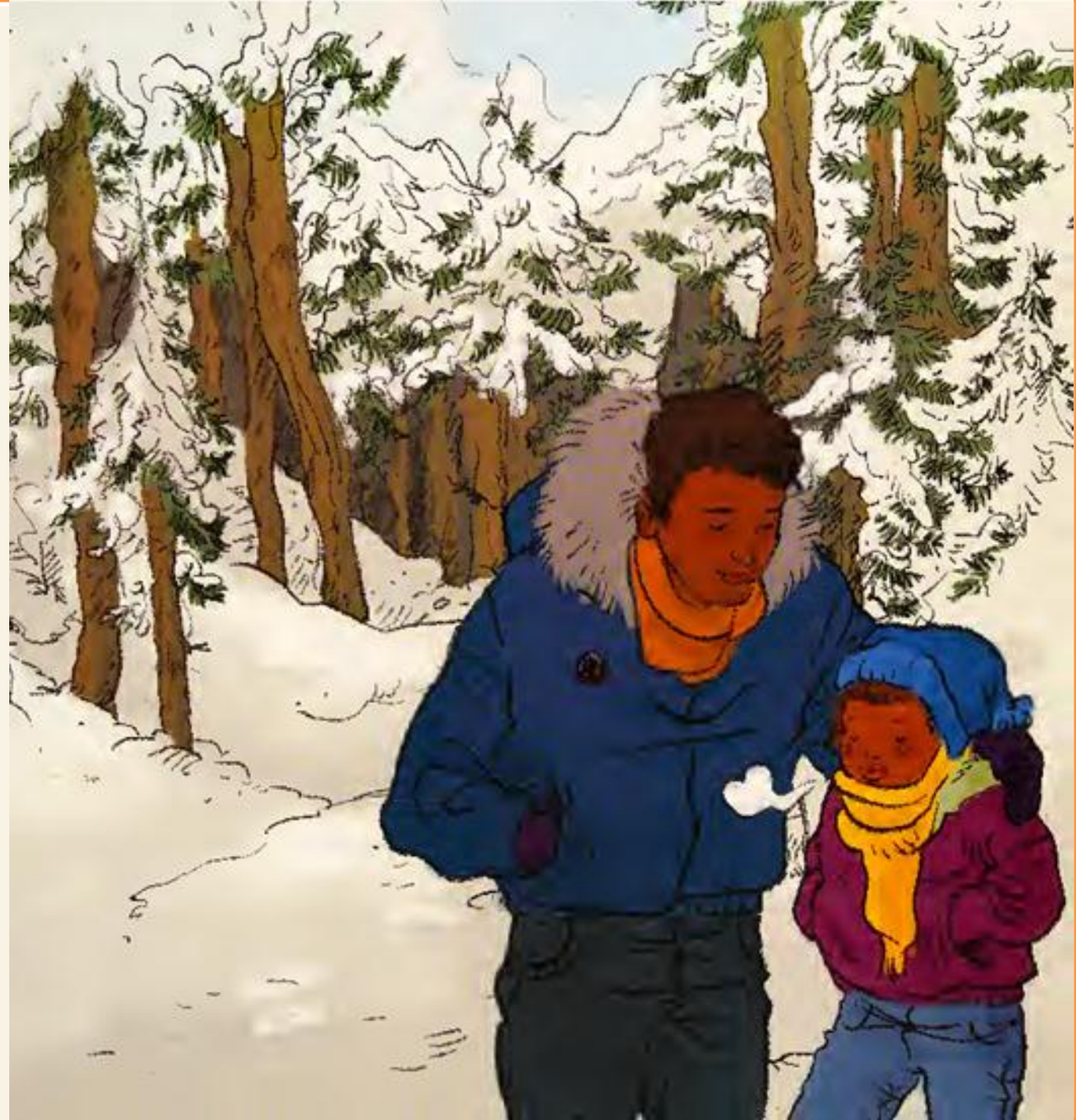

पीटर चाचा ने माइको की ठोड़ी को छुआ. “हम नन्हे पेड़ को नहीं काटेंगे,” उन्होंने कहा.

“लेकिन नींव का क्या होगा?”

“हम उसका उपाय ढूँढ़ लेंगे.”

माइको को लगा कि उदासी के जिस बादल ने उसे घेर लिया था वह छंट गया था. उसने पीटर चाचा को बताया कि सपनों में वह अकसर बेओबॉब के पेड़ देखता था और उसने उन्हें लियोनार्ड के विषय में भी बताया.

जब वह लियोनार्ड की बातें कर रहे थे अँधेरा घिरने लगा. और जब तक वह चौड़े रास्ते तक वापस आये आकाश में तारे टिमटिमाने लगे थे. माइको ध्यान से सुनने लगा. उसे लगा कि नन्हा पेड़ उसका नाम गुनगुना रहा था.

क्रिसमस से पहले माइको ने कूकीज बनाने में ने अजिया चाची की सहायता की. कूकीज बेओबॉब और फ़र के पेड़ों के आकार की थीं. क्रिसमस की सुबह ली अपनी नई स्केट्स पहने आया और माइको को अपनी नई स्लेज पर बिठा कर जंगल के निकट जमी हुई झील पर खींचने लगा. उन्हें लियोनार्ड दिखाई दिया. वह माइको के कानों पर नहीं हँसा.

वसंत के एक दिन माइको का आठवाँ जन्मदिन था. पत्थर की सीढ़ियों पर बैठा वह ली की प्रतीक्षा कर रहा था. ली अपने पिता के साथ उनके ट्रक में आने वाला था. माइको ने पेड़ को अपनी प्रिय कहानी सुनाई-उस दिन की कहानी जब उसने और उसके चाचा ने जन्मस्थल जंगल का पता लगाया था. “वहाँ लोग अपने जन्मदिन पर पेड़ लगाते हैं. तुम मेरे पेड़ होगे,” माइको ने कहा. तुम्हें अच्छा लगेगा. ओह, वहाँ तुम खूब ऊँचे हो जाओगे. जिस जंगल में तुम जन्मे थे वहाँ के सबसे ऊँचे पेड़ से भी ऊँचे.”

माइको को ट्रक की आवाज़ सुनाई दी. “पीटर चाचा,” वह चिल्लाया. “पेड़ को यहाँ से ले जाने में हमारी सहायता करने के लिए वह आ गये हैं.”

माइको ने नन्हे फ़र के पेड़ को देखा. “मैं अकसर आ कर तुम्हें देखा करूंगा. और जब मैं आऊंगा तो मैं कहूँगा, ‘हेलो पेड़, तुम्हारी आयु उतनी ही है जितनी मेरी.’ फिर उसने धीमे से कहा, “तुम्हें पता है, जहाँ हमारा जन्म होता है वहाँ सदा हम बड़े नहीं हो पाते. लेकिन इसके बावजूद हम कहीं भी बड़े हो सकते हैं.”